KRUPASINDHU BHOI DR. (Sambalpur): The movement of minerals and argicultural goods from western Orissa to eastern Orissa has become very difficult in the absence of direct rail link. The State Government and the Members of Parliament from Orissa have highlighted the prime need of Talcher-Sambalpur rail link time and again which would provide direct connection between Sambalpur and Paradip. Construction of this line would shorten the distance between northern and central India and the eastern coast by nearly 470 kilometres and would effect considerable economy in the cost of transportation. It would reduce the congestion of traffic in the Jharsuguda-Kharagpur section of the South-Eastern Railway.

If this line is constructed, the distance between the aluminimum smelter and alumina plant under construction at Damanjuri and Anugul would be reduced by 75 dms. The rail link would therefore, effect the economy of the project to a considerable extent.

The Talcher-Sambalpur railway line would provide a direct communication between coastal Orissa and western Orissa, a tribal area, rich in mineral and agricultural resources. At present, one has to travel through the State of West Bengal and Bihar in order to reach Sambalpur, the headquarters of western Orissa from the State capital. The proposed railway line is, therefore, vitally important for the growth of the econmy of the State and the esatablishment of much needed emotional integration between the coastal Orissa and western Orissa.

In view of this, I demand that the construction of Talcher-Sambalpur rail link should be taken up during the Sixth Plan period.

DRINKING (IV) PROBLEM OF WATER IN MIRZAPUR AND VARANASI LITTAR PRADESH.

श्री उमाकान्त मिश्र (मिर्जापुर) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्न-लिखित विषय की भ्रोर मन्त्री महोदय का ध्यान आकिषत करना चाहता हं:

वैसे तो ग्राम तीर पर उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में पेयजल की कठिनाई प्रतिवर्ष रहा करती है, किन्त गत वर्ष वर्षा की कमी के कारण वारा एसी तथा मिर्जापुर जिले के कुछ भाग में पानी का स्तर श्रत्यन्त नीचा होते के कारण पेयजल का गम्भीर संकट उत्पन्न हो गया है। वारासासी के सेवाप्री, . भदोही, नवगढ ग्रादि विकास खण्डों में तथा मिर्जापुर के अकौढी, हलिया, लालगंज तथा दक्षिणी मिर्जापुर के पहाड़ी क्षेत्रों में कुएं सुख रहे हैं। अनेक गांवों में सुख भी गए हैं। तीन-तीन, चार-चार किलोमीटर से पीने का पानी ढोया जा रहा है। वहां के निवासियों में पेयजल के संकट के कारगा घबराहट उत्पन्न हो रही है। यदि समय रहते उपाय न किया गया तो उक्त क्षेत्रों में पेयजल के अभाव का गम्भीर संकट सम्भावित है। सरकार से अनुरोध है कि पहले तो पेयजल के संकट का मुकाबला करने के लिए उक्त क्षेत्रों में तात्कालिक कदम उठाए जायें। इसके पश्चात् मिर्जापुर तथा वारासाी जिलों की पेयजल की समस्या के समाधान के लिए स्थाई योजना क्रियान्वित की जाए।

(V) FINANCIAL ASSISTANCE FOR SLUM CLEARANCE IN PATNA.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के ग्रधीन निम्नलिखित विषय की ग्रोर मन्त्री महोदय का ध्यान भाकषित करता हं: